परमात्म ऊर्जा

एक बाप से ही योग है तो सहयोग भी एक के ही साथ है। योगी अर्थात् सहयोगी। तो सहयोग से योग को देख सकते हो, योग से सहयोग को देख सकते हो। अगर कोई भी व्यर्थ कर्म में सहयोगी बनते हो तो बाप के सदा सहयोगी हुए? जो पहला-पहला वायदा किया हुआ है उसको सदा स्मृति में रखते हुए हर कर्म करते हो कि भक्तों मुआफिक कहाँ-कहाँ बच्चे भी बाप से ठगी तो नहीं करते हो? भक्तों को कहते हो ना- भक्त ठगत हैं। तो आप लोग भी ठगत तो नहीं बनते हो? अगर तेरे को मेरा समझ काम में लगाते हो तो ठगत हुए ना। कहना एक और करना दूसरा - इसको क्या कहा जाता है? कहते तो यही हो ना कि तन-मन-धन सब तेरा। जब तेरा हो गया फिर आपका उस पर अपना अधिकार कहाँ से आया? जब अधिकार नहीं तो उसको अपनी मन मत से काम में कैसे लगा सकते हो? संकल्प को, समय को, श्वास को, ज्ञान-धन को, स्थूल तन को अगर कोई भी एक खज़ाने को मनमत से व्यर्थ भी गंवाते हो तो ठगत नहीं हुए? जन्म-जन्म के संस्कारों के वश हो जाते हैं। यह कहाँ तक रीति चलती रहेगी? जो बात स्वयं को भी प्रिय नहीं लगती तो सोचना चाहिए- जो मुझे ही प्रिय नहीं लगती वह बाप को प्रिय कैसे लग सकती है? सदा स्नेही के प्रति जो अति प्रिय चीज़ होती है वही दी जाती है। तो अपने आप से पूछो कि कहाँ तक प्रीत की रीति निभाने वाले बने हैं? अपने को सदा हाइएस्ट और होलीएस्ट समझकर चलते हो?

जो हाइएस्ट समझकर चलते हैं उन्हों का एक-एक कर्म, एक-एक बोल इतना ही हाइएस्ट होता है जितना बाप हाइएस्ट अर्थात् ऊंच ते ऊंच है। बाप की महिमा गाते हैं ना- ऊंचा उनका नाम, ऊंचा उनका धाम, ऊंचा काम। तो जो हाइएस्ट है वह भी सदैव अपने ऊंच नाम, ऊंचे धाम और ऊंचे काम में तत्पर हों। कोई भी निचाई का कार्य कर ही नहीं सकते हैं। जैसे महान आत्मा जो बनते हैं वह कभी भी किसी के आगे झुकते नहीं हैं। उनके आगे सभी झुकते हैं तब उसको महान आत्मा कहा जाता है। जो आजकल के ऐसे-ऐसे महान आत्माओं से भी महान, श्रेष्ठ आत्मायें, जो बाप की चुनी हुई आत्मायें हैं, विश्व के राज्य के अधिकारी हैं, बाप के वर्से के अधिकारी हैं, विश्व कल्याणकारी हैं- ऐसी आत्मायें कहाँ भी, कोई भी परिस्थिति में व माया के भिन्न-भिन्न आकर्षण करने वाले रूपों में क्या अपने आप को झुका सकते हैं?

सबके... सहयोगी बनें

कथा सरिता

गरीबी भी एक मुसीबत बन गयी थी। बच्चा रोये जा रहा था पर आज उसे दूध नहीं मिला था। आज घर में दूध खत्म हो गया था। दोनों इतने बीमार थे कि उठ भी नहीं पा रहे थे। उनकी झोपड़ी भी काफी दूर थी किसी की मदद भी नहीं ले पा रहे थे। गरीब आदमी रोज़ कमाता है और खाता है।

आज बच्चा चुप भी नहीं हो रहा था, भूख से बच्चा लगातार रोये जा रहा था। बहुत हिम्मत करके बच्चे का पिता कुछ काम करने के लिए खड़ा हुआ पर आज तबियत खराब होने की वजह से वह कोई काम नहीं कर पायेगा वो जानता है कि ऐसे काम नहीं चलेगा, अगर काम नहीं है तो खाना भी नहीं है।

ऐसा सोचकर वह काम करने के लिए चल पड़ा, बहुत कोशिश करने पर आज उसे काम नहीं मिला और वह बहुत परेशान हो गया कि जब ज़रूरत नहीं होती है तो काम मिल ही जाता है परंतु आज बहुत ज़रूरत है तो कोई काम नहीं। ऐसा कब तक चलेगा पता नहीं, भगवान भी हमें भूल गया है।

तभी उसकी नज़र एक आदमी पर गयी, उसके पास बहुत सारा सामान था और वह किसी की तलाश कर रहा था कि कोई उसकी मदद करे उससे भारी सामान उठाया नहीं जा रहा था। वह गरीब आदमी देख रहा था कि वह आदमी बहुत उम्र का लग रहा है और उसके पास जाकर कहा कि मैं आपकी कोई मदद कर सकता हूँ? आज मुझे कोई काम नहीं मिला है अगर आप मुझे कुछ पैसे देंगे तो मैं इस सामान को ले जा सकता हूँ। उस आदमी ने हाँ कह दी और वह गरीब आदमी उसका सामान लेकर चल पड़ा। उस सामान में कुछ मूर्तियां थी जोकि एक मंदिर के पास ले जानी थी। वह गरीब आदमी बुखार में उन मूर्तियों को पकड़कर ले जा रहा था।

उस आदमी ने पूछा कि मुझे लगता है कि तुम्हारी तबियत ठीक नहीं है और तुम काम करने के लिए आ गए हो और फिर उस आदमी ने कहा कि आज बच्चे को एक बोतल भी दूध नहीं मिला है और घर में कुछ नहीं है इसलिए मैं काम करके उसके लिए दूध लेकर जाऊंगा। जब तक मैं घर नहीं जाऊँगा तब तक वह रोता रहेगा।

बातों-बातों में मंदिर भी आ गया और उस आदमी ने अपनी जेब से एक पोटली निकाली और कहा कि यह पोटली घर जाकर ही खोलना, आज से तुम्हारे बुरे दिन खत्म हो गए। वह गरीब आदमी कुछ भी समझ नहीं पा रहा था कि यह पोटली... परंतु उसने बात मान ली और घर गया, घर जाकर पोटली खोली तो देखा कि उसमें स्वर्ण मुद्रा है, लगता है यह भगवान है। जो हमारी मदद करने आये थे उस दिन से उनके बुरे दिन खत्म हो गए।

सीख : अगर हम सच्चे मन से भगवान को बुलाते हैं तो वह ज़रूर आते हैं पर आज हम भूल चुके हैं कि हमें हमेशा दूसरों की मदद करनी चाहिए पता नहीं कौन किस तरह और कौन-सी हालत में है इसलिए सबकी मदद करो।

बीदर-रामपुरे कॉलोनी(कर्नाटक)। भारत स्काउट एंड गाइड्स जिला संगठन बीदर एवं शाहीन पब्लिक स्कूल बीदर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित प्रथम कल्याण कर्नाटक जंबो रेट(बृहद सम्मेलन) में ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। जिसमें मुम्बई से आये ब्र.कु. प्रो. डॉ. ई.वी. गिरीश भाई ने पाँच जिले से आये 3782 स्काउट एंड गाइड्स के बच्चों सहित रोवर्स, रेंजर्स एवं एडल्ट लीडर्स को 'वैल्यूज़ इन एजुकेशन' विषय पर सम्बोधित किया। इस दौरान ब्र.कु. पार्वती बहन सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

रतलाम-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के राजीव गांधी सिविक सेंटर सेवाकेन्द्र द्वारा गणगौरिया ऊंकाला हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान ब्र.कु. मनोरमा बहन को राम मंदिर छाया प्रति एवं शॉल भेंट कर सम्मानित करते हुए रतलाम नगर निगम एम.आई.सी. सदस्य विशाल कुमार शर्मा।

पहाड़ी-डीग(राज.)। ब्रह्मा बाबा के 55वें अव्यक्त स्मृति दिवस पर अपने श्रद्धासुमन अर्पित करने के पश्चात् उपस्थित हैं सरपंच संतो देवी, ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु. संतोष बहन, ब्र.कु. शिवानी बहन, ब्र.कु. कमलेश बहन व अन्य।

छतरपुर-बक्सवाहा(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'देश का गौरव है नारी' विषय पर आयोजित महिला सम्मेलन में नगर परिषद अध्यक्ष किरण सोनी, समाजसेवी बृज गोपाल सोनी, महेंद्र जैन एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं सहित विश्वनाथ कॉलोनी सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रमा बहन, ब्र.कु. मोनिका बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

इंदौर-रजनी बाग(म.प्र.)। लक्ष्मी विधवा महिला फाउंडेशन एवं बालाजी सेवा संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु ब्र.कु. भुनेश्वरी बहन को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर लक्ष्मी विधवा फाउंडेशन की राज्य समन्वयक एवं नगर मंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा भाजपा इंदौर की श्रीमती गीता कुशवाह, बालाजी सेवा संस्थान के डायरेक्टर आर.के. गौड़, इंडेक्स कॉलेज की डायरेक्टर चित्रा खिड़वकर एवं शहर की अन्य गणमान्य महिलायें व प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे।

एसबीएस नगर-नवांशहर(पंजाब)। दोआबा ग्रुप ऑफ कॉलेज के डायरेक्टर राजेश्वर सिंह को ब्रह्माकुमारीज़ के ओमशान्ति मीडिया द्वारा की जा रही सेवाओं से अवगत कराने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. राम भाई।

जकातवाडी-सातारा(महा.)। संतोष रोकडे,अधीक्षक,अभियंता सार्वजनिक बांधकाम मंडल को ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में आने पर ज्ञानचर्चा के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शांता बहन।